इकाई - I

4. मन करता है

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. अनुमान लगाइए कि बच्चा क्या सोच रहा होगा?
3. अनुमान लगाइए कि चिड़िया क्या कहना चाहती है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

मन करता है सूरज बनकर
आसमान में दौड़ लगाऊँ।
मन करता है चंदा बनकर
सब तारों पर अकड़ दिखाऊँ।

मन करता है बाबा बनकर
घर में सब पर धौंस जमाऊँ।
मन करता है पापा बनकर
मैं भी अपनी मूँछ बढ़ाऊँ।

मन करता है तितली बनकर
दूर-दूर तक उड़ता जाऊँ।
मन करता है कोयल बनकर
मीठे-मीठे बोल सुनाऊँ।

मन करता है चिड़िया बनकर
चीं-चीं चूँ-चूँ शोर मचाऊँ।
मन करता है चर्खी लेकर
पीली-लाल पतंग उड़ाऊँ।

सुरेंद्र विक्रम

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. आपका मन क्या–क्या करने को कहता है?

2. आप अपने घर में किसकी नकल करना पसंद करते हो?

3. ऐसे दो काम बताइए जो आप कर सकते है मगर बड़े नहीं?

4. चिड़ियाँ शोर क्यों मचाती होंगी?

पढ़िए

1. कौन क्या करता है, जोड़ी बनाइए।

सूरज	दूर–दूर तक उड़ती है।
चाँद	मीठे गीत सुनाती है।
तितली	आसमान में दौड़ लगाता है।
कोयल	शोर मचाती है।
चिड़िया	तारों पर अकड़ दिखाता है।

2. बच्चे का मन क्या–क्या बनने को कहता है? कविता के आधार पर लिखिए।

लिखिए

1. आपका मन क्या–क्या नहीं करने को कहता है?

2. बड़ों का मन क्या–क्या करने को करता होगा?

शब्द भंडार

1 एक मिनट के लिए आँखें बंद करके बिल्कुल चुपचाप बैठ जाइए। ध्यान से आसपास की आवाज़ें सुनिए।

- अब आँखें खोलिए। क्या याद है, आपने किस-किस की आवाज़ सुनी? नीचे उनके नाम लिखिए।

SCERT TELANGANA

.....

- इनमें से कौन-कौन बहुत शोर मचा रहे थे?

.....

.....

.....

.....

पहेली

कागज़ का घोड़ा,
धागे की लगाम,
छोड़ दो धागा, तो
करे सलाम।

2. इन शब्दों को समझिए और ऐसे पाँच शब्द लिखिए।

दूर-दूर, मीठे-मीठे, चीं-चीं, चूँ-चूँ, अच्छे-अच्छे

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

कविता आगे बढ़ाइए।

मन करता है चिड़िया बनकर
चीं-चीं चूँ-चूँ शोर मचाऊँ।
मन करता है चर्खी लेकर
पीली-लाल पतंग उड़ाऊँ।
मन करता है पेड़ बनकर
.....
मन करता है फूल बनकर
.....
.....
.....

SCERT TELANGANA

प्रशंसा

■ अच्छी भावनाओं से जीवन सफल होता है। ऐसी कौनसी भावनाएँ हैं जो **आपको** पसंद हैं?

भाषा की बात

1. रिक्त स्थान सही शब्दों से भरिए। जैसे घोड़े की तरह **दौड़ लगाऊँ।**

क. हवाई जहाज की तरह .....।

ख. कोयल की तरह .....।

ग. मछली की तरह .....।

घ. मोर की तरह .....।

परियोजना कार्य

चलिए, पतंग बनाएँ

सामान – *आपको चाहिए कोई पतला कागज़, झाड़ू की तीलियाँ, गोंद, टेप, कैंची।*

तरीका –

- कागज़ को चौकोर काटिए।
- उसमें गोंद या टेप से दो तीलियाँ चिपका लीजिए, जैसा चित्र में दिखाया गया है।
- तीली के निचले हिस्से में पूँछ के लिए एक तिकोना टुकड़ा काटकर चिपका दीजिए।
- पतंग तैयार है।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के सुना सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA